सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 42 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 14 मार्च, 2024

सफलता रातों-रात नहीं मिलती। ये जब आप रोज बीते हुए कल से थोड़ा बेहतर होते हैं तो सारा कुछ जुड़ जाता है।
-ड्वेन जॉनसन

अश्विन ने बुमराह को... 7 | होली से पहले चढ़ने लगा चुनावी... 3 | भाजपा उद्योगपतियों को लेकर... 2

पूरे देश में केंद्र के खिलाफ उबाल

कहीं सीएए पर रार तो कहीं किसानों का हल्लाबोल

» सियासी ऊहापोह में फंसी दिल्ली
» छावनी में तब्दील हुई राजधानी
» नये चुनाव आयुक्तों पर भी माथापच्ची

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। पूरे देश में सियासी ऊहापोह बना हुआ है। कहीं सीएए को लेकर मोदी सरकार निशाने पर है तो वंही बीजेपी कांग्रेस व उसके सहयोगियों पर हमलावर है। उधर इल्कटोरल बॉण्ड को लेकर भी केंद्र सरकार घिरी हुई है। तो वहीं किसानों ने केंद्र सरकार के खिलाफ एकबार फिर हल्ला बोला है। उधर सीएए पर केजरीवाल के बयान के बाद हिंदू शरणार्थी उनके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

अब बीजेपी पर ताजे आरोप लगाकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कोहराम मचा दिया है। उन्होंने बताया है कि कांग्रेस पार्टी आर्थिक संकट के दौर से गुजर रही है। खरगे ने बीजेपी पर आरोप लगाया है कि जिन खातों में कांग्रेस का पैसा रखा था उन सभी खातों को फ्रिज करवा दिया गया है। यहां तक की कांग्रेस पार्टी पर आयकर विभाग भी जुर्माना लग रहा है। बीजेपी चुनावी बांड को लेकर कोई खुलासा नहीं कर रही है। यह दर्शाता है कि बांड को लेकर खुलासा होने पर उनकी चोरी सामने आ जाएगी। उधर चुनाव आयुक्तों की सर्च कमेटी ने गुरुवार (14 मर्च) को चयन समिति को नाम भेज दिए हैं। जिस पर बैठक जारी है।

800 ट्रकों, बसों व ट्रेनों में हजारों किसान दिल्ली पहुंचे

महापंचायत को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा का कहना है कि वह रामलीला मैदान में अपना आयोजन करेंगे और सरकार की नीतियों के खिलाफ लड़ाई को तेज करने के लिए प्रस्ताव पेश करेंगे। इसके साथ ही सरकार के खिलाफ आगे की रणनीति भी तय की जाएगी। देशभर के किसान अपनी मांगों को लेकर गुरुवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में जुटने वाले हैं। रामलीला मैदान में दिल्ली पुलिस ने बीते दिनों संयुक्त किसान मोर्चा को कई शर्तों के साथ रामलीला मैदान में किसान मजदूर महा पंचायत का आयोजन करने की अनुमति दी थी। इसके बाद 14 मार्च को संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसान मजदूर महापंचायत का आयोजन

किया जाना है। महापंचायत को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा का कहना है कि वह रामलीला मैदान में अपना आयोजन करेंगे और सरकार की नीतियों के खिलाफ लड़ाई को तेज करने के लिए प्रस्ताव पेश करेंगे। इसके साथ ही सरकार के खिलाफ आगे की रणनीति भी तय की जाएगी। दिल्ली पुलिस ने किसान संगठनों को चेतावनी दी है कि अगर किसानों ने शर्तों का पालन नहीं किया तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि अगर किसान अपनी शर्तों का पालन नहीं करते हैं और दिल्ली में कानून व्यवस्था को तोड़ने का प्रयास करते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई करने में दिल्ली पुलिस पीछे नहीं हटेगी। बताने की पिछली बार किसानों के मार्च के दौरान जमकर हिंसा की घटनाएं हुई थी।

भाजपा का काम है जुमलेबाजी : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हमारा काम है जनता से कहना है। भाजपा का काम है जुमलेबाज़ी है। उन्होंने(बीजेपी) ने कहा कि हमें 400 सीट मिलेंगे। हम ऐसा नहीं कह सकते, हम जनता के ऊपर सब छोड़ते हैं, जनता जिसे वोट देगी हम उसे मानेंगे लेकिन भाजपा जबरदस्ती से चुनाव करेगी तो हम इसे नहीं मानेंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नव अधिसूचित नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर ताजा हमला करते हुए कहा कि वह असम की तरह बंगाल में भी डिटेंशन कैंप नहीं चाहतीं। तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि सीएए एनआरसी से संबंधित है, इसलिए हम इसका विरोध कर रहे हैं। हम असम की तरह डिटेंशन कैंप नहीं चाहते। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि हमारा काम है जनता से कहना है। सीएए पर अपना हमला जारी रखते हुए बनर्जी ने इस कानून को लोकसभा चुनाव से पहले एक राजनीतिक हथकंडा करार दिया।

लोकतंत्र को बचाने में योगदान दे जनता : खरगे

देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी यानी कांग्रेस पार्टी इन दिनों आर्थिक संकट से जूझ रही है। बीजेपी पर आरोप लगाने के साथ ही मल्लिकार्जुन खरगे नहीं जनता से अपील की है कि आगामी लोकसभा चुनाव में वो कांग्रेस पार्टी को समर्थन दे और लोकतंत्र को बचाने में योगदान दे। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पास काफी पैसा था जो दान के तौर पर उन्हें मिला था। मगर बीजेपी ने जिन अकाउंट में यह पैसा रखा है उन्हें फ्रिज करवा दिया है जिसके बाद कांग्रेस के पास अब कोई पैसा नहीं बचा है। उन्होंने गुजरात में क्रिकेट स्टेडियम का नाम नरेंद्र मोदी के नाम पर रखने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसी भी जीवित व्यक्ति के स्मारक नहीं बनाए जाते हैं।

राहुल गांधी सार्वजनिक रूप से बताएं सीएए के विरोध की वजह : शाह

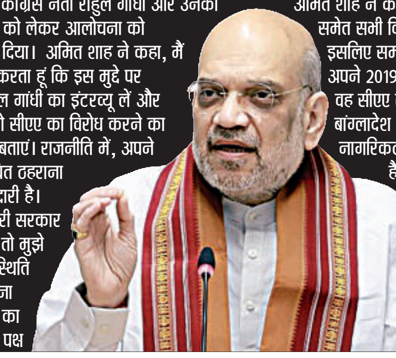

नागरिकता कानून यानी कि सीएए जब से लागू हुआ है, विपक्ष लगातार इस पर सवाल उठा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और उनकी पार्टी की सीएए को लेकर आलोचना को दरकिनार कर दिया। अमित शाह ने कहा, मैं आपसे अपील करता हूं कि इस मुद्दे पर विस्तार से राहुल गांधी का इंटरव्यू लें और आम जनता को सीएए का विरोध करने का उनका कारण बताएं। राजनीति में, अपने फैसलों को उचित ठहराना आपकी जिम्मेदारी है। अगर सीएए मेरी सरकार का फैसला है, तो मुझे मेरी पार्टी की स्थिति के बारे में बताना होगा। सरकार का फैसला देश के पक्ष में क्यों है, इसे बताना होगा। इसी तरह, राहुल गांधी को भी कानून पर अपने विरोध के बारे में बताना चाहिए। अमित शाह ने कहा, राहुल गांधी, ममता या केजरीवाल समेत सभी विपक्षी दल झूठ की राजनीति में लिप्त हैं, इसलिए समय का सवाल ही नहीं उठता। बीजेपी ने अपने 2019 के घोषणापत्र में साफ कर दिया था कि वह सीएए लाएगी और शरणार्थियों (पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से) को भारत की नागरिकता देगी। यह बीजेपी का एक स्पष्ट एजेंडा है और उसी वादे के तहत, नागरिकता (संशोधन) विधेयक 2019 में संसद के दोनों सदनों में पारित किया गया था। कोरोना की वजह से इसे लागू करने में देरी हुई। बीजेपी ने चुनाव में जनादेश मिलने से काफी पहले ही अपना एजेंडा साफ कर दिया था।

केजरीवाल के खिलाफ प्रदर्शन

इसी कड़ी में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी बयान दिया था, जो अब उनके लिए मुश्किलें खड़ी कर रहा है। सत्ता पक्ष ने जहां इसे ऐतिहासिक कदम बताया है वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बयान के बाद उनके आवास के बाहर हिंदू शरणार्थी प्रदर्शन कर रहे है।

भाजपा उद्योगपतियों को लेकर आए देश : केजरीवाल

वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं केजरीवाल : भाजपा

» केंद्र की गलत नीतियों के कारण अमीरों ने देश छोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केजरीवाल ने कहा कि पिछले 10 साल में 11 लाख से ज्यादा बड़े-बड़े उद्योगपति और व्यापारी भारत छोड़कर विदेश चले गए। ये लोग भारत में इंडस्ट्री और बड़े-बड़े व्यापार चलाया करते थे और लाखों लोगों को रोजगार देते थे। ये लोग भाजपा की गलत नीतियों और अत्याचार से तंग आकर भारत छोड़कर चले गए। अगर भाजपा को लाना ही है कि इन उद्योगपतियों को लेकर आए।

इससे पहले केजरीवाल ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार हमारे बच्चों को रोजगार नहीं दे रही है और वह पाकिस्तान से अल्पसंख्यकों को लाकर उनके बच्चों को रोजगार देना चाहती है। भारत के ढेरों लोग बेघर हैं, लेकिन भाजपा पाकिस्तान से ढेरों लोगों को भारत में बसाकर घर देना चाहती है। उन्होंने कहा कि देश पर 10 साल राज करने के बाद लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपाइयों को सीएए की बात करनी पड़ रही है। अगर वह 10 साल में कुछ अच्छा काम कर लेते तो आज सीएए की जगह अपने काम पर जनता से वोट मांग रहे होते। आज देश में सबसे बड़ी समस्या महंगाई और बेरोजगारी है। ऐसे में केंद्र सरकार इनका समाधान ढूंढने के बजाय सीएए की बात कर रही है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, भ्रष्टाचार उजागर होने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अपना धैर्य खो बैठे हैं। उन्हें नहीं पता कि ये सभी लोग पहले ही भारत में आ चुके हैं और रह रहे हैं। अगर उन्हें इतनी ही चिंता है तो वे क्यों बांग्लादेशी घुसपैठियों की बात नहीं करते, रोहिंग्याओं का विरोध क्यों नहीं करते? वह वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहिंग्याओं के बारे में तो ये नहीं बोलते। वे विभाजन की पृष्ठभूमि भूल गए हैं, उन्हें शरणार्थी परिवारों से मिलना चाहिए।

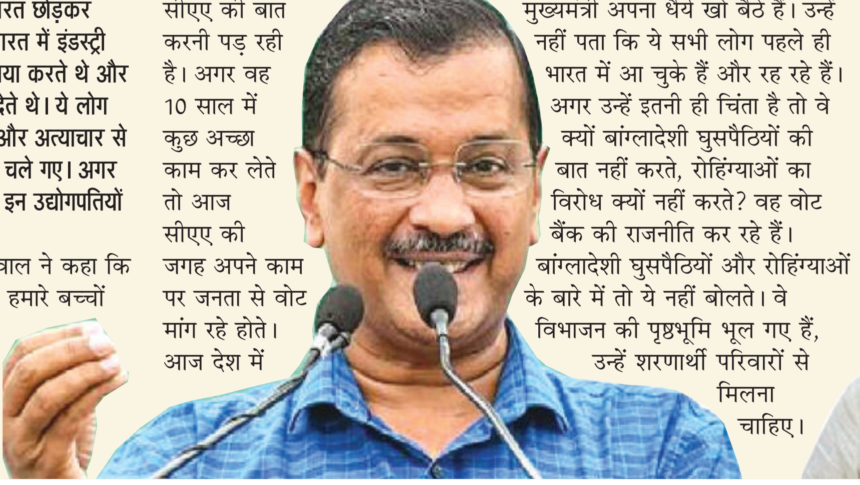

शरणार्थी को डराएं नहीं मुख्यमंत्री : सचदेवा

सीएए लागू करने के केंद्र सरकार के फैसले पर प्रदेश भाजपा ने स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए शरणार्थी भारतीयों के अपने थे, हैं और रहेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री भारतीय मुस्लिमों को डराने की कोशिश नहीं करें। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल सीएए पर ओवैसी, ममता बनर्जी व राहुल गांधी की भाषा बोल रहे हैं। वह हिंदू, सिख, बौध, ईसाई शरणार्थियों के सम्मान को तो ठेस पहुंचा रहे हैं, भारतीय मुस्लिमों को भी भड़काने की कोशिश की है। उन्होंने साबित कर दिया कि वह कल भी हिंदू, सिख, बौद्ध विरोधी थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। आजादपुर व मजनू का टीला पर पाकिस्तान से आए शरणार्शियों के कैंप में पहुंचकर सचदेवा ने सभी को बधाई दी। उन्हें बताया कि अब सभी को नागरिकता मिलेगी और पहले से रह रहे शरणार्थियों की नागरिकता नहीं छीनी जाएगी।

बसपा ने चुनावों के लिए कसी कमर सात प्रत्याशी घोषित

» पांच मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा ने लोकसभा चुनाव के लिए तैयारियां जोरों से शुय कर दी है। बसपा प्रमुख ने ब तक अपने सात प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं। इनमें पांच मुस्लिम प्रत्याशी हैं, जो सपा-कांग्रेस गठबंधन के प्रत्याशियों का खेल बिगाड़ सकते हैं। इन सभी को जोनल स्तर पर पदाधिकारियों द्वारा प्रत्याशी घोषित किया गया है, जिस पर बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा जल्द जारी की जाने वाली सूची के बाद अंतिम मुहर लगेगी।

बसपा ने बिजनौर से वर्तमान सांसद मलूक नागर की जगह चौधरी विजेंद्र सिंह को प्रत्याशी घोषित किया है। इसी तरह मुजफ्फरनगर से दारा सिंह प्रजापति, पीलीभीत से अनीस अहमद खां, मुरादाबाद से इरफान सैफी, कन्नौज से अकील अहमद पट्टा, अमरोहा से डॉ. मुजाहिद हुसैन उर्फ बाबू भाई और सहारनपुर से माजिद अली को प्रत्याशी घोषित किया गया है।

बिहार के नौजवानों का रोजगार डकार गए सीएम : तेज प्रताप

» नीतीश कुमार पर कसा तंज, कहा- भाजपा से विवाद के बाद पिताजी के पास आए थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

समस्तीपुर। जिले के गंगा दियारा मोहनपुर प्रखंड के दशहरा गांव में आयोजित लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में पहुंचे लालू यादव के बड़े पुत्र तेजप्रताप ने नीतीश कुमार पर खूब तंज कसा। उन्होंने कहा कि भाजपा से विवाद हुआ तो पिताजी के पास पहुंचे थे और कहने लगे एक मौका दे दीजिए आगे अब तेजस्वी देखेंगे, लेकिन वह पलट गए। पेट पर हाथ फेरकर कर सारी चीज डकार गए। बिहार के नौजवानों का रोजगार डकार गए।

सभा के दौरान उन्होंने कहा कि रोजगार का मतलब है लालू प्रसाद, रोजगार का मतलब है तेजस्वी यादव। उन्होंने कहा कि पिछले 17 सालों में जो नहीं हुआ वह महागठबंधन की 17 महीने की सरकार ने कर दिखाया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह 1000 साल पहले जरूर कुछ हुआ होगा। जिस कारण भगवान ने इस धरती को भागवत कथा के लिए चुना है। हम बस इस यज्ञ में शामिल होने के लिए आये हैं। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही कार्यकर्ता सम्मान यात्रा निकालेंगे। जिसमें लोग बाइक और साइकिल आदि से निकलेंगे। सभा के दौरान उन्होंने कहा कि सभी लोग अपना चेहरा चमका रहे हैं, लेकिन सड़क का हाल बेहाल हो गया है। उन्होंने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है तभी तो बिहार बेहाल है। उन्होंने कहा कि प्रकृति ने इतना अच्छा शरीर दिया है। इस चीज का उपयोग करना चाहिए। अभी संडे को सभी पार्क में चले जाते हैं, लेकिन माताओं के पास जाना चाहिए। उन्होंने विभिन्न शक्ति पीठो को याद दिलाया। युवाओं को पार्क के साथ मंदिरों में जाने की सलाह दी। कहा कि युवा धर्म को छोड़ रहे हैं, उन्हें इसे नहीं छोड़ना चाहिए।

आज से रैलियों से गूंजेगा उत्तर प्रदेश

» शिवपाल बदायूं से शुरू करेंगे चुनावी अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने रैली व सभाओं की शुरुआत कर दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार से रैलियों का आगाज कर दिया। वहीं सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव बृहस्पतिवार को बदायूं लोकसभा क्षेत्र में अपने चुनावी अभियान का शुभारंभ करेंगे। वह पहले श्रीबालाजी धाम में माथा टेकेंगे, फिर बड़े सरकार की दरगाह पर हाजिरी लगाकर चादरपोशी करेंगे।

वे अपने तीन दिनों के दौरे में 40 स्थानों पर छोटी-बड़ी सभाएं करेंगे। टिकट घोषित होने के 20 दिन बाद भी लोकसभा क्षेत्र में नहीं पहुंचने के कारण सियासी गलियारों में ही नहीं, बल्कि पार्टी में भी उम्मीदवारी में बदलाव की चर्चाएं होने लगी थीं। वहीं समाजवादी मजदूर सभा के नेताओं ने भाजपा सरकार पर महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी को लेकर आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया और भूख हड़ताल की। समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल निगम के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ता अलग-अलग जिलों में जाकर भूख हड़ताल कर रहे हैं। नेताओं ने कहा कि देश में महंगाई और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। युवाओं में बेरोजगारी है जिसके कारण युवाओं में हताशा है जिसे लेकर समाजवादी पार्टी के लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी हजरतगंज की गांधी प्रतिमा पर भूख हड़ताल करना चाहते थे लेकिन उन्हें हटाकर परिवर्तन चौक भेज दिया गया। इस पर सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कहना है कि भाजपा की सरकार घबराई हुई है क्योंकि जनता में गुस्सा है। उन्होंने कहा कि सपा कार्यकर्ता पूरे प्रदेश भर में कार्य कर रहे हैं। दलित, पिछड़े व अल्पसंख्यक हमारे साथ है 2024 के चुनाव में जनता भाजपा को हटा देगी।

सीएम योगी ने गिनाईं उपलब्धियां

उधर सीएम योगी पहले दिन उन्होंने उन्नाव, फर्रुखाबाद और बरेली में अपने चित-परिचित अंदाज में हुंकार भरी। सीएम ने इनमें रोजगार, किसानों के मुद्दे, निवेश पर केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों को तो रखा ही, अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के जरिये आमजन की भावनाओं को भी उभारने की कोशिश की। बरेली में सीएम ने कहा, एक समय था जब राम का नाम लेने पर ही लाठी और गोली चलने लगती थी, लेकिन आज आस्था का भरपूर सम्मान हो रहा है। आज बेटी और व्यापारी की सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था है। अब सुरक्षा और निवेश का वातावरण है।

एमके स्टालिन के पास कोई शक्ति नहीं : अन्नामलाई

» तमिलनाडु में सीएए लागू नहीं करने के सीएम के बयान पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के पास कानून के तहत ऐसी कोई शक्ति नहीं है, जिससे वह राज्य में सीएए लागू होने के खिलाफ कोई रुख अख्तियार कर सकें। राज्य सूची, संघीय सूची व समवर्ती सूची और कानून से संबंधित शक्तियों के पृथक्करण जैसे संवैधानिक प्रावधानों को रेखांकित करते हुए, भाजपा नेता ने कहा कि स्टालिन ने संविधान के तहत पद की शपथ ली है।

अन्नामलाई ने कहा कि स्टालिन राजनीतिक रूप से सीएए का विरोध कर सकते हैं, लेकिन वह तमिलनाडु में केंद्रीय कानून को लागू करने के खिलाफ आधिकारिक रुख नहीं अपना सकते हैं और उनके पास संविधान के तहत सीएए व संबंधित नियमों को लागू नहीं करने का निर्णय लेने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि स्टालिन ने इस तरह के रुख पर जोर दिया, तो क्या वह मुख्यमंत्री पद की शपथ के खिलाफ जाएंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

होली से पहले चढ़ने लगा चुनावी रंग

यूपी, बंगाल, बिहार चारों ओर सियासी वार

- » राजनीति पार्टियों ने लोस चुनाव पर लगाई घात
- » बीजेपी से लेकर कांग्रेस तक ने झोंकी ताकत
- » सत्ता विरोधी माहौल को विपक्ष देगा हवा
- » राजग व इंडिया गठबंधन ने भी बनाए समीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूरे देश में होली से पहले सियासी रंग चढ़ने लगा है। कहीं गठबंधन पर रार चल रही है तो कहीं लोग पार्टी छोड़ रहे हैं। कहीं आलम यह है पूरी सरकार ही बदली जा रही है। क्या सत्ता पक्ष क्या विपक्ष सब आगामी लोक सभा चुनाव-24 में येनकेन प्रकारेण जीत हासिल करना चाहते हैं।

पार्टियों में भागम-भाग में लगी हुई है। 35 सालों से एक ही पार्टी से जुड़े लोग तक अपने ठिकाने बदल रहे हैं। कई जगह तो ऐसे भी दिग्गज सीट पाने की बांट जो रहे हैं और संशय में कोई भी फैसला नही ले पा रहे हैं। कुल मिलाकर चुनावी वर्ष में हर वो मंजर दिखाई देने वाला है जिसकी कल्पना कोई भी नहीं किया होगा।

टिकट बंटवारे पर ममता से भाई ने जताई नाराजगी

टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के छोटे भाई बाबुन बनर्जी ने पार्टी द्वारा पश्चिम बंगाल की हावड़ा लोकसभा सीट से प्रसून बनर्जी को फिर से उम्मीदवार बनाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की है। हालाँकि, बबुन बनर्जी, जो इस समय नई दिल्ली में हैं, ने उन अटकलों से इनकार किया कि वह भाजपा में जा सकते हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि वह हावड़ा सीट से निर्दलीय के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं हावड़ा लोकसभा सीट से उम्मीदवार के चयन से खुश नहीं हूं। प्रसून बनर्जी सही विकल्प नहीं हैं। कई सक्षम उम्मीदवार थे जिन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा, प्रसून ने मेरा जो अपमान किया, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता। पूर्व फुटबॉलर, प्रसून बनर्जी, हावड़ा सीट से टीएमसी के दो बार के लोकसभा सांसद हैं। ममता बनर्जी के छोटे भाई-बहनों में से एक बनर्जी ने कहा कि वह हावड़ा के पंजीकृत मतदाता हैं। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि दीदी (ममता बनर्जी) मुझसे सहमत नहीं होंगी। लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो मैं हावड़ा लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा। उन अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कि वह भाजपा में शामिल हो सकते हैं, उन्होंने नकारात्मक जवाब दिया।उन्होंने कहा, जब तक ममता दी हैं, मैं कभी पार्टी नहीं छोड़ूंगा और न ही किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल होऊंगा। हां, मैं खेल से जुड़ा हूं, मैं कई भाजपा नेताओं को जानता हूं, जो खेल से भी जुड़े हुए हैं।

जयंत को मायावती देंगी चुनौती

पश्चिमी यूपी में बसपा सुप्रीमो ने आरएलडी सुप्रीमो जयंत चौधरी को चुनौती दे डाली है। जिस सीट से मायावती पहली बार लोकसभा चुनाव जीतकर संसद पहुंची उस सीट से जाट प्रत्याशी को मैदान में उतार दिया है। हाथी की इस नई चाल ने पश्चिमी यूपी का सियासी तापमान बढ़ा दिया है। दो दिन पहले ही लोकदल छोड़कर आए चौधरी बिजेंद्र सिंह को बिजनौर लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाकर मायावती ने नए समीकरण बनाने के संकेत दे दिए हैं। बिजनौर के सियासी समीकरण पर एबीपी लाइव ने जो खबर दी थी उस पर मायावती में मुहर लगा दी। हमने खबर दी थी कि चौधरी बिजेंद्र सिंह को मायावती बिजनौर लोकसभा से चुनाव मैदान में उतारेंगी। ऐसा करके मायावती बीजेपी और आरएलडी की टेंशन बढ़ाएंगी। आखिरकार हमारी खबर सटीक निकली और बसपा सुप्रीमो ने चौधरी बिजेंद्र सिंह का नाम ही फाइनल कर दिया। बसपा सुप्रीमो मायावती राजनीति की मंझी हुई खिलाड़ी मानी जाती हैं, बिजनौर लोकसभा सीट पर मायावती ने जाट कार्ड खेलकर सबको चौंका दिया है, चौधरी बिजेंद्र सिंह को बिजनौर से प्रत्याशी बनाकर बसपा सुप्रीमो ने मुस्लिम, दलित और पिछड़ों का समीकरण बनाने का प्रयास किया है। सबसे बड़ी बात ये है कि जयंत चौधरी ने गुर्जर चंदन चौहान को प्रत्याशी बनाकर जो समीकरण बनाया था मायावती ने जाट कार्ड खेलकर उस समीकरण में सेंध लगाने की कोशिश की। बसपा के इस कदम से जयंत चौधरी भी टेंशन में आ गए हैं और बीजेपी भी, क्योंकि यहां आरएलडी और बीजेपी ने चंदन चौहान को प्रत्याशी बनाया है और मायावती ने जयंत के चंदन की घेराबंदी शुरू कर दी है। बात 1989 की है, जब मायावती बिजनौर लोकसभा से चुनाव जीतकर पहली बार संसद पहुंची थी। इस बार मायावती ने यहां से जाट कार्ड खेला। इसके सहारे मायावती जाटों में सेंध लगाने का भी प्रयास कर रही हैं कि जहां से वो पहली बार सांसद बनी उस सीट पर इस बार जाट प्रत्याशी चौधरी बिजेंद्र सिंह को उतारा है। पश्चिमी यूपी में मुस्लिम, दलित और पिछड़ों को साधकर बहनजी बड़ा संदेश देना चाहती है। मायावती के इस कदम को जयंत चौधरी को चुनौती देने के तौर पर भी देखा जा रहा है। बिजनौर लोकसभा के एक बैंक्वेट हॉल में बसपा का एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन किया गया था, जिसमें पश्चिमी यूपी प्रभारी शमसुद्दीन राइन पहुंचे थे। जिन्होंने चौधरी बिजेंद्र सिंह को प्रत्याशी घोषित कर दिया। शमसुद्दीन राइन ने कहा जहां से बहनजी पहली बार सांसद बनी वहां से चौधरी बिजेंद्र सिंह को प्रत्याशी बनाकर बहनजी ने बड़ा संदेश दिया है और इस सीट की रखवाली की जिम्मेदारी चौधरी बिजेंद्र सिंह को दी है। बस आप चुनाव जिता देना। इस मौके पर मुरादाबाद मंडल प्रभारी और नगीना सांसद गिरीश चंद्र भी मौजूद रहे। बिजनौर लोकसभा सीट से बसपा के प्रत्याशी घोषित किए गए चौधरी बिजेंद्र सिंह का कहना है कि बहनजी का अहसान नहीं उतार पाऊंगा। मुझ जैसे छोटे से इंसान को टिकट देकर बहनजी ने जो उपकार किया उसका हमेशा ॠणी रहूंगा। सबको साथ लेकर चलूंगा और जनता के प्यार और विश्वास के भरोसे पर चुनाव जीतूंगा। मैं नेता नहीं बेटा बनकर रहूंगा।

यूपी में कांग्रेस को झटका, अजय कपूर ने थामा बीजेपी का दामन

उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कानपुर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तीन बार के विधायक रहे अजय कपूर ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। बीजेपी में शामिल होने के बाद अजय कपूर ने कहा कि आज का दिन पुनर्जन्म की तरह, देश के प्रधानमंत्री मोदी के परिवार में शामिल होकर अभिभूत हूं। बीजेपी में शामिल होने के बाद अजय कपूर का कांग्रेस के साथ 35 साल का सफर खत्म हो गया है। बिहार बीजेपी के प्रभारी विनोद तावड़े ने बिहार कांग्रेस के सह प्रभारी अजय कपूर को शामिल करवाया। उन्होंने कहाये एक जोड़ एक ग्यारह हो गया! अजय कपूर ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेजा। उन्होंने लिखा- निवेदन है कि मैं लगातार 35 वर्षों से कांग्रेस पार्टी की निरंतर निस्वार्थ भाव से सेवा करता आ रहा हूं। अब मैं अपने पद एवं पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं. आप से अनुरोध है कि आप मेरे इस्तीफे को स्वीकार करने की कृपा करें।

वरुण गांधी पर ऊहापोह बरकरार

उत्तर प्रदेश स्थित पीलीभीत से विधायक और राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार अक्सर अपनी ही पार्टी के सांसद वरुण गांधी को लेकर जनसभाओं में उन पर तंज कसते रहे हैं। हालांकि एक सरकारी कार्यक्रम में मंत्री से वरुण गांधी को लेकर सवाल किया गया तो सांसद के लिए राज्यमंत्री ने नरम रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि वरुण गांधी हमारी पार्टी के माननीय सांसद हैं, उनके टिकट को लेकर पार्टी शीर्ष नेतृत्व जो तय करेगा , हम पार्टी के निर्देश पर ही कार्यकर्ता की तरह उन्हें चुनाव लड़ाएंगे। पीलीभीत बहेड़ी लोकसभा सीट पर भाजपा सांसद वरुण गांधी और मौजूदा सरकार में राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार के बीच आपसी जुबानी जंग छिड़ती रही है। राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार वरुण गांधी को लेकर राहुल गांधी की तरह उन्हें छोटा पप्पू कहते थे। जनसभाओं के दौरान उन पर तंज करते थे। दीगर है कि वरुण गांधी ने कई मौकों पर केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और यूपी की योगी सरकार की आलोचना की है। बीते पांच सालों में वरुण ने कई मौकों पर सरकार की नीतियों की आलोचना की और कई प्रशासनिक खामियों को लेकर सरकार से सवाल किए, ऐसे में उनको लेकर राजनीतिक गलियारों में कई कयास लगाए जा रहे हैं, एक वर्ग का दावा है कि उनकी सीट बदली जा सकती है वहीं अन्य का कहना है कि बीजेपी उन्हें प्रत्याशी नहीं बनाएगी, वहीं बीते दिनों एक सर्वे में सामने आया था कि अगर वरुण, पीलीभीत से चुनाव लड़ते हैं तो उनका चुनाव जीतना तय है।

बिहार में सीटों को लेकर राहुल और लालू की पार्टी में रार

बिहार में इंडिया गठबंधन में दरार की खबरें सामने आ रही हैं। कांग्रेस की तरफ से 15 सीटों पर दावा किया जा रहा है। राष्ट्रीय जनता दल ने कांग्रेस से दावेदारी का आधार पूछ लिया। जिस पर कांग्रेस ने जवाब में कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा से पार्टी और मजबूत हुई है। कांग्रेस की इस यात्रा में तेजस्वी यादव और राहुल गांधी एक साथ नजर आए थे। एक ही गाड़ी में नजर आए थे। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि गाड़ी के दोनों पहिए एक दूसरे से सवाल पूछते नजर आ रहे हैं। 2019 में कांग्रेस ने बिहार में 9 सीटों पर लोकसभा के उम्मीदवार उतारे थे। हालांकि उसके संसद पहुंचने का सिलसिला बेहद कमजोर रहा था। अब इस मामले को लेकर दोनों ओर से दावे अलग-अलग नजर आ रहे हैं। कांग्रेस अपने 15 सीटों पर दावेदारी के आधार को लेकर कह रही है कि 2019 के चुनाव में उसे तो एक सीट पर जीत हासिल हुई थी। लेकिन राजद का तो खाता भी नहीं खुला था। इसके बावजूद भी राजद 25 सीटों पर अपनी दावेदारी जता रही है। ऐसे में कांग्रेस को अगर 15 सीटें मिलती है और पार्टी का जनाधार बड़ा है। राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा की वजह से कांग्रेस लोकसभा चुनाव की 15 सीटों में से कम से कम पांच पर जीत पाने में सफल रहेगी। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष ने मुकुल वासनिक के यहां बैठक में सीधे तौर पर कहा था कि कांग्रेस 15 सीटों से कम पर समझौता नहीं करेगी। बता दें कि इससे पहले लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 43 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की है। इस सूची में 43 उम्मीदवारों में से 10 जनरल उम्मीदवार, 13 ओबीसी उम्मीदवार, 10 एससी उम्मीदवार, 9 एसटी उम्मीदवार और 1 मुस्लिम उम्मीदवार हैं। असम, राजस्थान और मध्य प्रदेश के उम्मीदवारों का नाम इस लिस्ट में शामिल है। कांग्रेस की तरफ से 8 मार्च को जारी की गई 39 उम्मीदवारों की पहली सूची में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेताओ के नाम शामिल थे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

शर्मसार : नकली दवा के व्यापार पर लगे रोक

"ज्ञात हो कि दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली दवाइयां बनाने और सप्लाई करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, इनमें दिल्ली के कैंसर के जाने माने अस्पताल के दो कर्मचारी भी शामिल हैं। सभी आरोपी कैंसर के 1.96 लाख रुपये के इंजेक्शन में नकली दवाइयां भरकर बेचते थे।"

दिल्ली-एनसीआर से मानवता को शर्मसार करने वाली खबर आई। खबर के अनुसार वहां पर नकली दवा बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। हैरान करने वाली बात यह है कि पकड़ी गई दवा कैंसर के रोगियों को दी जाने वाली थी। इस तरह की खबर समाज के गिरते स्तर को भी बयां करती है कि समाज में कुछ ऐसे लोग भी जिन्हें किसी की तकलीफ से कोई लेना देना नही उनको तो बस पैसे कमाने हैं, चाहे इसके लिए किसी की जान ही क्यों न चली जाए। ज्ञात हो कि दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने नकली दवाइयां बनाने और सप्लाई करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, इनमें दिल्ली के कैंसर के जाने माने अस्पताल के दो कर्मचारी भी शामिल हैं। सभी आरोपी कैंसर के 1.96 लाख रुपये के इंजेक्शन में नकली दवाइयां भरकर बेचते थे। कैंसर की इन नकली दवाईयों को फार्मासिस्ट सिर्फ देश ही नहीं बल्कि चीन और अमेरिका जैसे देशों में भी सप्लाई करते थे।

आरोपियों के कब्जे से 89 लाख रुपये नकद, 18 हजार रुपये के डॉलर और चार करोड़ रुपये की 7 अंतरराष्ट्रीय और 2 भारतीय ब्रांडों की नकली कैंसर दवाएं बरामद की हैं। क्राइम ब्रांच तीन महीने की जांच के बाद उनकी टीम ने इस गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस टीम ने दिल्ली-एनसीआर में 7- 8 जगहों पर एक साथ छापेमारी की। रेड के दौरान दो फ्लेट में नकली दवाइयां बनाते हुए पकड़ी गईं। नकली कैंसर की दवा को शीशियों को फिर से भरने और बनाने के लिए यानि रीफिलिंग और पैकेजिंग का काम किया जाता था। पुलिस ने फ्लेट्स से 3 कैप सीलिंग मशीनें, 1 हीट गन मशीन और 197 खाली शीशियां बरामद की हैं। गुरुग्राम के एक फ्लैट में नकली कैंसर इंजेक्शन और शीशियों का बड़ा जखीरा जमा कर रखा था। यहां पर नकली कैंसर इंजेक्शनों की 137 शीशियां, 519 खाली शीशियां और शीशियों के 864 खाली पैकेजिंग बॉक्स मिले हैं। नीरज की निशानदेही पर उसके चचेरे भाई तुषार चौहान को भी गिरफ्तार किया गया, वह भी इस सप्लाई चेन में शामिल था। एक अन्य शख्स को गिरफ्तार किया गया, वह खाली शीशियों की व्यवस्था करता था। वहीं दिल्ली स्थित कैंसर अस्पताल के दो कर्मचारी कोमल तिवारी और अभिनय कोहली को भी गिरफ्तार किया गया। ये लोग अस्पताल में खाली हुई शीशियों को इन आरोपियों को उपलब्ध कराते थे। पुलिस ने नकली दवा का रैकेट चलाने के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके बाद अब सरकार जिम्मेदारी है कि वह ऐसे लोगों को सख्त सजा दे ताकि आगे से ऐसा कोई दूसरा न कर सके।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कावेरी के जल को सहेजने में ही समाधान

पंकज चतुर्वेदी

बेंगलुरु का जलसंकट इन दिनों चर्चा में है। कहा जा रहा है कि लगातार दो साल से बरसात कम हो रही है। हकीकत यह है कि स्थानीय तालाबों को सुखाने के साथ-साथ कावेरी नदी के प्रति सरकार और समाज की बेपरवाही इसके मूल में है। बेंगलुरु शहर की करीब एक करोड़ चालीस लाख आबादी के लिए हर दिन 2600 एमएलडी पानी की जरूरत है, जबकि कावेरी नदी से मात्र 1460 मिल रहा है। करीब 1200 नलकूप सूख चुके हैं। बरसात अभी कम से कम दो महीने दूर है और इसीलिए कई स्कूल-कॉलेज-दफ्तर बंद कर दिए गए। पानी के दुरुपयोग पर जुर्माने सहित कई पाबंदियां लगा दी गई हैं। किसी से छुपा नहीं कि कावेरी के जल बंटवारे को लेकर दक्षिण के दो बड़े राज्यों तमिलनाडु और कर्नाटक में जमकर सियासत तो होती है लेकिन जब उसे सहेजने की बात आती है तो उसे गंदा करने की तत्परता अधिक दिखती है।

कावेरी नदी कर्नाटक के कुर्ग जिले के पश्चिमी घाट के घने जंगलों में ब्रह्मगिरी पहाड़ी पर स्थित तलकावेरी से निकलती है। कोई आठ सौ किलोमीटर की यात्रा के दौरान कई सहायक नदियां इसमें आकर मिलती हैं, लेकिन जब दो लाख घन मीटर से अधिक वार्षिक जल बहाव वाली कावेरी का समागम तमिलनाडु में थंजावरु जिले में बंगाल की खाड़ी में होता है तो यह एक शिथिल-सी छोटी-सी जल-धारा मात्र रह जाती है। कावेरी का मैला होता पानी अब जहर बनता जा रहा है। कुछ साल पहले बेंगलुरु विश्वविद्यालय ने वन और पर्यावरण मंत्रालय तथा राष्ट्रीय नदी संरक्षण निदेशालय-एनआरडीसी की मदद से एक शोध किया था, जिसमें बताया गया था कि कावेरी पर बने केआरएस बांध से नीचे आने वाला पानी ऊपरी धारा की तुलना में बेहद दूषित हो गया है। गौरतलब है कि केआर नगर, कौल्लेगल और श्रीरंगपट्टनम नगरों की नालियों का गंदा पानी और नंजनगौड शहर के कारखानों व सीवर की निकासी बगैर किसी शोधन के काबिनी नदी में मिला दी जाती है। काबिनी नदी आगे चलकर नरसीपुर के पास कावेरी में मिल जाती है। कहने को कौल्लेगल में एक ट्रीटमेंट प्लांट लगा है, लेकिन इसे चलते हुए कभी नहीं देखा गया।

शहरी गंदगी के बाद कावेरी को सबसे बड़ा खतरा इसके डूब क्षेत्र में हो रही अंधाधुंध खेती से है। जिसमें रासायनिक खाद व कीटनाशकों के बेतहाशा इस्तेमाल ने कावेरी का पानी

ज़हर बना दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बरसात के दिनों में कावेरी के पानी में हररोज 1,051 टन सल्फेट, 21 टन फास्फेट और 34.88 टन नाइट्रेट मिलती है। कौल्लेगेल क्षेत्र में शहरी सीवर के कारण कावेरी का पानी मवेशियों के लिए भी खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। यहां पानी में कैडमियम, एल्यूमीनियम, जस्ता और सीसा की मात्रा तय स्तर को पार कर जाती है। ये नदी किनारे रहने वालों के लिए नई-नई बीमारियां लेकर आ रहे हैं। रसायनों की बढ़ती मात्रा से कावेरी नदी का खुद-ब-खुद शुद्धीकरण का गुण नाकाम हो गया। किनारों पर रेत की बेतरतीब खुदाई, कपड़ों की धुलाई आदि ने भी नदी का मिजाज बिगाड़ दिया है। कावेरी के दूषित होने की चेतावनियां सन् 1995 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक रपट में दर्ज थीं कि कावेरी का पानी अपने उद्गम तालकावेरी से मैसूर शहर की सीमा तक सी ग्रेड का है, जबकि होना ए ग्रेड चाहिए। विदित हो कि ए ग्रेड के पानी की 100 मिलीलीटर मात्रा में कॉलीफार्म बैक्टीरिया की मात्रा 50 होती है, जबकि सी ग्रेड में यह खतरनाक विषाणु छह हजार होता है। वहीं पीएच वैल्यू में काफी अंतर दर्ज किया गया था। उस रिपोर्ट में यह भी बताया गया था कि केआर बांध से होगेनेग्गल तक और बेंगलुरु से ग्रेंड एनीकेट तक और उससे आगे कुंभकोणम तक पानी की क्वॉलिटी ई ग्रेड की है। इस स्तर का पानी पीने के लिए कतई नहीं होता है। तमिलनाडु के तिरुवलुर जिले के मन्नारगुडी का सीबीएम यानी कोल बेड मीथेन क्षेत्र कावेरी की जान का दुश्मन बना है। यहां गहरी खुदाई के लिए और उसके बाद वहां से निकलने वाले कोयले को नदी के पानी से साफ किया जाता है और इस तरह दूषित जल सीधे नदी में फिर बहा दिया जाता है, तभी मन्नारगुडी के आस-पास कई किलोमीटर तक नदी का पानी काला-नीला दिखता है।

सिंचाई, सफाई और सियासत के भंवर में फंसी 770 किलोमीटर लंबी कावेरी की सबसे ज्यादा दुर्गति कर्नाटक के कुर्ग जिले में ही है। यह इलाका काफी उत्पादक है और सरकारी रिकॉर्ड कहता है कि चार लाख पचहत्तर हजार टन कॉफी का कचरा सीधे नदी में जा रहा है। कुर्ग शहर की एक लाख आबादी का पूरा सीवेज बगैर सफाई के नदी में मिलता है। इसमें हजारों बूचड़खानों का गंदा पानी भी है। कुछ समय पहले प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक और राज्य ज्ञान आयोग के अध्यक्ष ने राज्य शासन को एक रपट सौंपी थी, जिसमें कावेरी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए त्वरित प्रयास करने व उसके लिए अलग बजट की बात की थी।

अपूर्णता में भी है जीवन की खूबसूरती

रेनू सैनी

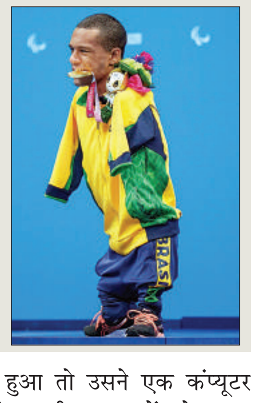

अपूर्णता, अस्पष्टता और कमी को लोग पसंद नहीं करते। जबकि ईश्वर ने मनुष्य को प्राकृतिक रूप से ऐसा बनाया है कि वह कभी पूर्ण हो ही नहीं सकता। हर मानव के अंदर ये तीनों बातें किसी न किसी मात्रा में अवश्य पाई जाती हैं :- अस्थिरता का होना, सभी इच्छाओं और कामनाओं को पूरा करने की असंभवता, शून्य और रिक्तता का होना और उच्च लक्ष्य की आकांक्षा। प्रकृति यही संदेश देती है कि जीवन की खूबसूरती उसकी अपूर्णता में ही है। अपूर्णता सुंदर ही इसलिए है क्योंकि इसमें सदा संभावना के द्वार खुले रहते हैं। वाबी साबी अवधारणा जीवन को बहुत ही सुंदर तरीके से परिभाषित करती है। यह बताती है कि अधूरेपन में ही आनंद है।

अधूरेपन की सुंदरता आकर्षक होती है क्योंकि उसे पूरा करने की चाहत बरकरार रहती है। वाबी-साबी का दर्शन प्रत्येक व्यक्ति को जीने की नई राह दिखाता है, वह यह सिखाता है कि चीजों या मनुष्यों का अपूर्ण होना उन्हें गति देता है, जबकि पूर्णता से विराम लग जाता है। जब व्यक्ति सीढ़ियों पर चढ़ता है तो अगली सीढ़ी पर पहुंचते हुए उसके मन में यह जिज्ञासा रहती है कि अभी कितनी और सीढ़ियां बाकी हैं। सभी सीढ़ियों को चढ़ने के बाद उसकी वह जिज्ञासा उसी पल खत्म हो जाती है। हमारे हृदय और आसपास जिज्ञासाओं का बने रहना बहुत जरूरी है। जिज्ञासाएं भी तभी मन में उमड़ती हैं, जब अपूर्णता शेष रहती है। यदि कहीं कमी या अपूर्णता न रहे तो कुछ जानने को बचता ही नहीं है। हर जगह और हर क्षण परिवर्तनशील है। जो अभी है, कुछ देर में वह दृश्य बदल जाएगा। नया दृश्य और नई परिस्थितियां व्यक्ति के अनुभव में एक और टांका जोड़ेंगी। अधिकतर व्यक्ति अपना जीवन अप्रसन्नता में सिर्फ इसलिए काट देते हैं क्योंकि वे उस पूर्णता की तलाश में रहते हैं जो कभी होती ही नहीं है। प्रसन्न रहने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि जो कमी है, उसी के साथ खुश रहने का प्रयास किया जाए और उनमें निरंतर सुधार किया जाए। निम्न सत्य घटना प्रत्येक व्यक्ति को यही सिखाती है।

डिक होइट एक अमेरिकी सिपाही थे। वर्ष 1962 में उनके बेटे रिक का जन्म हुआ। वह सेरिब्रल रोग के साथ पैदा हुआ था। वह बोल और चल नहीं सकता था। इससे डिक और उनकी पत्नी जूडी बुरी तरह टूट गए। कुछ समय बाद डिक और जूडी सामान्य हुए। दोनों ने ठान लिया कि वे रिक के सामने सदैव ऐसा व्यवहार करेंगे कि कुछ भी असंभव नहीं होता। कुछ भी पूर्ण नहीं होता। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर अपूर्णता विद्यमान होती ही है, बस उस के रूप बदल जाते हैं। उन्होंने रिक को यही सब समझाया और बताया। जब रिक बारह साल का हुआ तो उसने एक कंप्यूटर प्रोग्राम की सहायता से अपनी भावनाओं को व्यक्त करना शुरू किया। कंप्यूटर रिक के सिर की गतिविधियों को शब्दों और वाक्यों में बदलता था। रिक ने पहली बार अपने सिस्टम पर 'गो ब्रूइंस' शब्द कहे। इससे डिक और जूडी को लगा कि रिक को खेलों में रुचि है। बस फिर क्या था? डिक ने डॉक्टर की हर बात को अनुसना करते हुए रिक के साथ एक टीम बनाने की सोची। यह टीम थी-टीम होइट।

इस टीम में देश के सबसे कठिन मैराथन और ट्राइथैलन के लिए प्रशिक्षण लिया जा सकता था। वर्ष 1977 में डिक और रिक की पहली दौड़ के साथ ही टीम होइट प्रसिद्ध हो गई। दर्शकों ने जब यह देखा कि डिक अपने डेढ़ सौ पाउंड के बेटे रिक को अपनी बाइक की अगली सीट पर बिठाकर ले जाते हैं तो उन्होंने दांतों तले अंगुली दबा ली। डिक तैरते हुए उसे अपने पीछे आ रही नाव में खींचते थे और मैराथन प्रसंगों में उसकी व्हीलचेयर को धकेलते थे। इन दोनों पिता-पुत्र ने मिलकर हज़ार से अधिक प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में दो पचास ट्राइथैलन और छह आयरनमैन इवेंट्स भी शामिल थे। यह सब कुल मिलाकर मैराथन के 26.2 मील, साइकिलिंग के 112 मील और तैराकी के 2.4 मील रहे। सभी जानते हैं कि ये अत्यंत कठिन प्रतियोगिताएं हैं। डिक ने रिक को बचपन से कठिन कार्यों के लिए प्रशिक्षित कर यह साबित कर दिया कि अपूर्णता में ही आनंद है। अपूर्णता को पूर्णता की ओर ले जाने का प्रयास करने वाला व्यक्ति पूरी दुनिया के लिए मिसाल बन जाता है।

आज भी इनकी कहानी पूरी दुनिया को राह दिखाती है। यह कहानी बताती है कि किस प्रकार अपूर्ण होते हुए भी जीवन को श्रेष्ठ और आनंदमय तरीके से जिया जा सकता है। एक बहुत सीधी सरल बात है कि जब तक व्यक्ति का जन्म नहीं होता, तब तक भी सब कुछ विधिवत चल रहा होता है। उसकी मृत्यु के बाद भी चीजें अनवरत होती रहती हैं। अगर व्यक्ति अपने आप में पूर्ण होता तो उसके रहने या न रहने से चीजें पलट जातीं। इस धरती पर सम्राट हो या फकीर, प्रत्येक व्यक्ति अपनी जीवन यात्रा पूर्ण कर मृत्यु को प्राप्त होता है। व्यक्ति की इच्छाएं अंत तक अपूर्ण ही रहती हैं, कुछ और करने की चाह, कुछ और पाने की आकांक्षा। सोचिए जब जीवन के इतने बड़े सच को हम सहजता से स्वीकार कर लेते हैं तो अपनी कमियों और अपूर्णता को स्वीकार करने से क्यों डरते हैं। वाबी-साबी को जीवन में उतार लीजिए। अपूर्णता से डर नहीं लगेगा, सकारात्मक तरह से उसे पूरा करने की चाह आपको श्रेष्ठ से श्रेष्ठतम की ओर ले जाएगी।

वेट लॉस

मोटापा आजकल की एक बेहद ही सामान्य समस्या बन गई है। खराब खानपान, लाइफस्टाइल और तनाव की वजह से अधिकतर लोग मोटापे से जूझ रहे हैं। देश के ज्यादातर लोगों के लिए समस्या बना हुआ मोटापा भी कम करने के लिए जंपिंग जैक एक्सरसाइज को जाना जाता है। इस एक्सरसाइज को करने से वेट लॉस में भी मदद मिलती है। यह एक्सरसाइज शरीर में कैलोरी कम करने में मदद करती है। वेट लॉस का पहला सीक्रेट है कि आप जितनी कैलोरी लेते हैं, उससे अधिक खर्च करें। जंपिंग जैक की मदद से आपकी अधिक कैलोरी खर्च होगी। अच्छे रिजल्ट पाने के लिए इस एक्सरसाइज के रोजाना 50 के तीन सेट करें। जंपिंग जैक एक्सरसाइज करने से वेट लॉस के साथ आपकी जांघ, कूल्हे, बाजु, कंधे भी शेप में आने लगेंगे।

जंपिंग जैक करने का सही तरीका

जब आप जंपिंग जैक एक्सरसाइज कर रही हैं तो आपको यह अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए कि पहले बॉडी वार्मअप अवश्य करें। जब आप वार्मअप नहीं करती हैं और सीधे जंपिंग जैक करने लग जाती हैं तो ऐसे में आपके पैरों में कैम्प आ सकता है। यह पैरों में दर्द व अकड़न की वजह भी बन सकता है। जंपिंग जैक एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े होकर ऊपर की ओर उछले और अपने हाथों को भी ऊपर उठाएं। ऐसा करते हुए अपने पैरों को भी फैला लें। जब आप नीचे आएं,तो सामान्य स्थिति में नीचे आएं। इस व्यायाम को दो से तीन मिनट तक दोहराएं।

पूरे शरीर का व्यायाम

जंपिंग जैक एक्सरसाइज करने से पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है। इस व्यायाम को करने के लिए व्यक्ति को बहुत अधिक एनर्जी और पूरे शरीर की मूवमेंट की जरूरत होती है। जिससे उसके सिर से लेकर पैर तक की एक्सरसाइज हो जाती है और व्यक्ति फिट बना रहता है।

तनाव से निजात

जंपिंग जैक एक्सरसाइज मूड अच्छा रखने के साथ तनाव कम करने के लिए भी जानी जाती है। जंपिंग जैक एक्सरसाइज को करने से एंडोर्फिंस हॉर्मोन का स्रिक्रीशन होता है, जिससे व्यक्ति का तनाव दूर होता है।

जंपिंग जैक

बढ़ते मोटापे से दिलाता है निजात

आज बढ़ता मोटापा ज्यादातर लोगों के लिए एक बड़ी समस्या बनकर उभर रहा है। इस समस्या से निजात पाने के लिए लोग डाइटिंग से लेकर जिम में एक्सरसाइज और योग तक का सहारा ले रहे हैं। बावजूद इसके समस्या जस की तस बनी रहती है। अगर आप भी बढ़ते मोटापे से परेशान हैं और जल्द वेट लॉस करने के उपाय ढूंढ रहे हैं तो जंपिंग जैक आपकी मदद कर सकता है। जी हां, जंपिंग जैक ऐसी ही एक एक्सरसाइज है, जिसे करने से पूरे शरीर का व्यायाम होता है। इसे आमतौर पर किसी भी तरह के व्यायाम को करने से पहले वॉर्मअप के लिए किया जा सकता है। जंपिंग जैक करने से न सिर्फ शरीर की सारी मांसपेशियां ठीक तरह से काम करती हैं बल्कि व्यक्ति का मूड फ्रेश बना रहने के साथ तनाव भी कम होता है।

डांसिंग

डांस एक ऐसी कला है, जिसका असर हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। कई लोगों को डांस करना बेहद पसंद होता है। कई लोगों को डांस करना बेहद पसंद होता है। कुछ लोग इसे वर्कआउट के तौर पर करना पसंद करते हैं। इसलिए जंपिंग जैक एक्सरसाइज के अलावा आप डांसिंग को भी रूटिन में शामिल करके वेट लॉस मिशन को पूरा कर सकते हैं। इससे आपके शरीर की हर मसल्स पर काम होता है, जिससे वजन घटाने में तेजी से मदद मिलती है। तो अगर आप मोटे हैं, तो भी डांस करें। डांस की बढ़ती लोकप्रियता के चलते इन दिनों कई लोग इसे करियर के रूप में भी अपना रहे हैं।

हंसना मना है

कोई गम नहीं मगर दिल उदास है, तुझसे कोई रिश्ता नहीं फिर भी एहसास है, कहने को बहुत अपने है मगर तू एक खास है, ज्यादा इमोशनल ना होना ऊपर सब बकवास है।

मछली जल की रानी है: इसका नया वर्जन.. पत्नी घर की रानी है, करती अपनी मनमानी है, काम बताओ तो चिढ़ जाएगी, शॉपिंग कराओ तो खिल जाएगी।

1 युग था जब लोग अपने घर के दरवाजे पे, लिखते थे: अतिथी देवो भव, फिर लिखा: शुभ लाभ, फिर लिखा: यू आर वेलकम, और अब: कुत्तों से सावधान !

हमने पटाई एक लड़की तो सोचा, हमारी लॉटरी निकल गयी, डेट पे बुलाया मिलने को तो, हाय रे फूटी किस्मत, वो राखी बांध के चली गयी।

टीचर- बेटा अगर सच्चे दिल से प्रार्थना की जाए तो वो सफल जरूर होती है। छात्र- रहने दीजिए सर, अगर ऐसा होता तो आज आप मेरे सर नहीं, ससुर होते...

अगर लोगों के दिल में जिंदा रहना है, तो लोगों से पैसा उधार ले लो।

कहानी — ब्राह्मण और सांप

एक बार की बात है किसी नगर में हरिदत्त नाम का ब्राह्मण रहता था। उसके पास खेत थे, लेकिन उनमें ज्यादा पैदावार नहीं होती थी। एक दिन हरिदत्त अपने खेत में एक पेड़ के नीचे सोया हुआ था। जैसे ही हरिदत्त की आंख खुली उसने देखा कि एक सांप अपना फन फैलाए बैठा हुआ है। ब्राह्मण को अहसास हुआ कि यह कोई साधारण सांप नहीं है, बल्कि कोई देवता है। ब्राह्मण ने निर्णय लिया कि वह आज से इस देवता की पूजा करेगा। हरिदत्त उठा और कहीं से जाकर दूध ले आया। उसने मिट्टी के बर्तन में सांप को दूध पिलाया। दूध पिलाते समय हरिदत्त ने सांप से क्षमा मांगते हुए कहा कि हे देव! मैं आज तक आपको साधारण सांप समझता रहा मुझे माफ कर दीजिए। अपनी कृपा दृष्टि से मुझे बहुत सारा धन-धान्य प्रदान करें प्रभु। ऐसा कहकर हरिदत्त अपने घर वापस आ गया। अगले दिन जब वह अपने खेत पहुंचा, तो उसने देखा कि जिस बर्तन में उसने कल सांप को दूध पिलाया था, उसमें एक सोने का सिक्का पड़ा हुआ है। हरिदत्त ने वो सिक्का उठा लिया। अब हरिदत्त रोज सांप की पूजा करने लगा और सांप रोज उसे एक सोने का सिक्का देने लगा। कुछ दिन बाद हरिदत्त को दूर किसी देश जाना पड़ा, तो उसने अपने बेटे से कहा कि तुम खेत में जाकर सांप देवता को दूध पिला आना। अपने पिता की आज्ञा से हरिदत्त का बेटा खेत में गया और सांप के बर्तन में दूध रख आया। अगली सुबह जब वह सांप को दूध पिलाने गया, तो उसने देखा कि वहां सोने का सिक्का रखा हुआ है। हरिदत्त के बेटे ने वो सोने का सिक्का उठा लिया और मन ही मन सोचने लगा कि जरूर इस सांप के बिल में सोने का भंडार है। उसने सांप के बिल को खोदने का फैसला किया, लेकिन उसे सांप का बहुत डर था। हरिदत्त के बेटे ने योजना बनाई कि जैसे ही सांप दूध पीने आएगा, तो वह उसके सिर पर लाठी से वार करेगा, जिससे सांप मर जाएगा। सांप के मरने के बाद मैं तसल्ली से बिल खोदूंगा और उसमें से सोना निकाल कर अमीर आदमी बन जाऊंगा। लड़के ने अगले दिन ऐसा ही किया, लेकिन जैसे ही उसने सांप के सिर पर लाठी मारी, तो वो मरा नहीं बल्कि गुस्से से भर उठा। सांप ने क्रोध में लड़के के पैर में अपने विष भरे दांतों से काटा और लड़के की उसी समय मौत हो गई। हरिदत्त जब वापस लौटा, तो उसे यह जानकर बहुत दु:ख हुआ।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

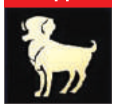

लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे।

वृषभ

शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा।

मिथुन

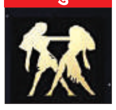

धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह

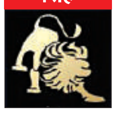

संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या

व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

तुला

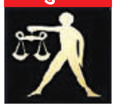

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु

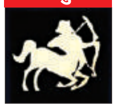

कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

कुम्भ

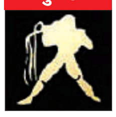

सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मीन

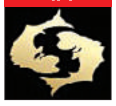

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर भरोसा न करें।

अदा शर्मा स्टारर बस्तर द नक्सल स्टोरी का लोगों को बेसब्री से इंतजार

सलमान खान विपुल अमृतलाल शाह, सुदीप्तो सेन और अदा शर्मा की बस्तर द नक्सल स्टोरी साल की उन फिल्मों में से एक है, जिसे लेकर चर्चा अपने अगले स्तर पर है ऐसा इसलिए भी क्योंकि ये द केरला स्टोरी की तिगड़ी की अगली फिल्म है। अब आखिरकार फिल्म की रिलीज का समय आ चुका है। ये फिल्म दो दिन बाद सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। ऐसे में फैन्स को और ज्यादा उत्साहित करते हुए मेकर्स ने फिल्म की एडवांस बुकिंग को लेकर एक अपडेट शेयर की है।

जी हां, अब जब इस फिल्म की रिलीज में सिर्फ दो दिन बाकी हैं, तो दर्शक भी इसकी एडवांस बुकिंग शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और जिसे ध्यान में रखते हुए, मेकर्स ने देश भर में एडवांस बुकिंग ओपन कर दिए हैं।

फिल्म की एडवांस बुकिंग को लेकर अपडेट शेयर करते हुए मेकर्स ने अपनी पोस्ट में लिखा है- यह सच्चाई उजागर करने का समय है। बस्तर: द नक्सल स्टोरी सिर्फ 2 दिनों में स्क्रीन पर होगी, बस्तर: द नक्सल स्टोरी के लिए अभी अपने टिकट बुक करें। एडवांस बुकिंग अब खुली है।

विपुल अमृतलाल शाह की सनशाइन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और आशिन ए शाह द्वारा सह-निर्मित, बस्तर: द नक्सल स्टोरी सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित हैं और इसमें अदा शर्मा मुख्य भूमिका में होंगी। यह फिल्म 15 मार्च 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एडवांस बुकिंग हुई शुरू

बॉलीवुड | गपशप

बॉलीवुड | मन की बात

शुरूआत के दिनों में मैंने पैसे को दी प्राथमिकता : इमरान हाशमी

इमरान हाशमी इन दिनों अपनी वेब सीरीज शोटाइम को लेकर चर्चा में हैं। मिहिर देसाई और अर्चित कुमार द्वारा निर्देशित इस सीरीज को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। वहीं, समीक्षकों ने भी इसे सराहा है। निर्माता करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी यह सीरीज सिनेमा जगत के काले सच की कहानी पर आधारित है। फिल्म में अपने किरदार के लिए इमरान हाशमी की खूब तारीफ हो रही है। हाल ही में इमरान ने एक साक्षात्कार में अपने करियर के शुरुआती दिनों को लेकर बातचीत की, जहां उन्होंने कई बड़े खुलासे किए।

साक्षात्कार में इमरान ने बताया कि उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दिनों में फिल्मों के चयन के दौरान पैसे और लोकप्रियता को प्राथमिकता दी। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि सिनेमा जगत में अभिनेता लोगों का ध्यान आकर्षित करते रहना चाहते हैं। इमरान ने आगे कहा, मैं अपने करियर के शुरुआती दिनों में आज के मुकाबले 50 प्रतिशत भी गंभीर नहीं था। शुरुआत के 6-7 वर्षों तक मेरे लिए पैसा और प्रसिद्धि सबसे जरूरी चीज थी। इमरान ने यह भी बताया कि वे अपने युवा दिनों में काफी क्रूर था। मुझे कोई अनुभव नहीं था, लेकिन जैसे-जैसे चीजें आगे बढ़ती गई चीजें बदलती गईं। इमरान ने कहा, अगर कोई मुझसे ये कहता है कि मैं इंडस्ट्री में पैसे या प्रसिद्धि के लिए काम नहीं कर रहा है तो वह झूठ बोल रहा है। क्योंकि, यहां हम सभी ध्यान आकर्षित करने वाले लोग हैं। कोई भी अभिनेता गुमनामी के डर से उतना ही डरते हैं, जितना वह कहता है कि उसे इन सब चीजों से कोई फर्क नहीं पड़ता। फिलहाल, इमरान हाशमी अपकमिंग फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में राम मनोहर लोहिया का किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में सारा अली खान भी स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 1942 भारत छोड़ो आंदोलन की कहानी पर आधारित है। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

ईमानदार व वफादार जीवनसाथी की तलाश में हैं कृति सेनन

नेहा धूपिया इन दिनों अपने शो नो फिल्टर नेहा की वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं। यह शो अपने पिछले सीजन से काफी अलग और बेहतर है। नो फिल्टर नेहा के इस सीजन में अभी तक शाहिद कपूर, टाइगर श्रॉफ और करीना कपूर खान बतौर मेहमान आ चुके हैं। वहीं शो के आगामी एपिसोड में कृति सेनन अपनी निजी जिंदगी के बारे में से नेहा बातें करती नजर आएंगी। सोशल मीडिया पर नेहा और कृति के इस एपिसोड का प्रोमो काफी वायरल हो रहा है। आइए जानते हैं क्या खास होने वाला इस एपिसोड में- बॉलीवुड में नेहा धूपिया अपनी बेबाकी के लिए मशहूर हैं। नेहा का वही बेबाक अंदाज उनके चैट शो में भी देखने मिलता है। नो फिल्टर नेहा के

प्यार के मामले में कृति हैं ओल्ड-स्कूल

कृति सेनन अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैं प्यार को लेकर एकदम पुरानी सोच रखती हूं। मुझे एक ऐसा जीवनसाथी चाहिए जो मेरे साथ बिल्कुल ईमानदार हो और मुझ से बहुत प्यार करे। मेरे लिए वफादार होना बहुत मायने रखता है।

अगले एपिसोड में बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री कृति सेनन बतौर मेहमान दिखाई देने वाली हैं। यूट्यूब पर जारी किए गए शो के प्रोमो में नेहा कृति से पूछती हैं कि उन्हें कैसे जीवनसाथी की तलाश है। इस सवाल के जवाब में कृति कहती हैं, सच कहूं तो मुझे डेटिंग ऐप्स पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। मैंने अपने आस-पास के लोगों को बता रखा है कि मुझे एक जीवन साथी की तलाश है और उसे ढूंढने में वे मेरी मदद करें।

सात बच्चों पर 10 मास्टर, गजब है ये स्कूल... हर महीने 10 लाख का खर्च

आइए अब हम आपको मिलाते है उन वीआईपी बच्चों से, जिनकी पढ़ाई के लिए हर महीने करीब-करीब डेढ़ लाख रुपए खर्च हो रहे हैं। जी, हां आपके बच्चे की पढ़ाई पर आप महीने के 10, 20 या फिर 30 हजार तक खर्च करते होंगे। कोई और भी बड़ी निजी स्कूल है, तो 60—65 हजार रुपए महीना की राशि अधिकतम होगी जो आपके बच्चे की पढ़ाई पर खर्च हो रही होगी, लेकिन झुंझुनू के बुहाना के समीप रायपुर अहिरान की एक स्कूल में एक बच्चे की पढ़ाई पर करीब डेढ़ लाख रुपए महीना खर्च हो रहा है।

दरअसल, रायपुर अहिरान की सरकारी स्कूल कक्षा 1 से 12 तक संचालित है, लेकिन इसमें पढ़ने के लिए सात ही बच्चे आते हैं। इन सात बच्चों को पढ़ाने के लिए यहां पर 10 शिक्षक कार्यरत हैं, जिनकी एक महीने की तनख्वाह और अन्य खर्च जोड़ा जाए, तो 10 लाख रुपए के करीब जोड़ बैठता है। इस हिसाब से देखा जाए, तो एक बच्चे की पढ़ाई के लिए सरकार डेढ़ लाख रुपए खर्च कर रही है। इन बच्चों में अधिकतर वो बच्चे हैं, जिनके माता—पिता या तो नरेगा में मजदूरी करते है या? फिर अन्य दूसरी जगह पर दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। जब से स्कूल के हालात सामने आए हैं, तब से सरकारी स्कूल की इस शर्मनाक तस्वीर की सभी जगहों पर चर्चा है। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूल में प्रिंसिपल का पद खाली है, इसलिए लापरवाही के कारण नामांकन सिर्फ सात रह गया है। वहीं, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बुहाना ने इस दिशा में योजनाबद्ध ढंग से कार्य कर नामांकन बढ़ाने की बात कही है। आपको बता दें कि विद्यालय के पांच कक्षाओं में नामांकन ही नहीं है। शेष कक्षाओं में नामांकन एक तक सीमित है। कक्षा एक, चार, छह, 11 व 12 में एक भी विद्यार्थी नामांकित नहीं है, जबकि कक्षा दो, तीन, पांच, सात, आठ, नौ व दस में एक-एक विद्यार्थी नामांकित है।

अजब-गजब | श्रापित है ये परिवार!

यहां सभी लोग हैं अंधे, 5 साल की उम्र में चली जाती है लड़कों की आंख की रोशनी

भगवान ने काफी सोच समझकर इंसान को बनाया। जिन्दा रहने के लिए जिन चीजों की जरुरत है, सभी को एक बॉडी में समाकर इंसान का निर्माण किया गया। सांस लेने के लिए नाक, देखने के लिए आंख बनाई गई। कई बार कुछ लोग इन खूबियों के बिना पड़े होते हैं। कुछ जन्म से ही अंधे होते हैं। लेकिन हाल ही में सोशल मीडिया पर एक ऐसे परिवार के बारे में शेयर किया गया, जहां लोग जन्म से अंधे नहीं होते। पांच साल का होते ही बच्चों की आंख की रौशनी चली जाती है।

जी हां, इस वीडियो को देखने के बाद सभी हैरान है। वीडियो में दावा किया जा रहा है कि इस परिवार के सभी लोग अंधे हैं। ऐसा किसी बिमारी की वजह से है या अभिशाप की वजह से, इसे लेकर लोग चर्चा कर रहे हैं। यहां जन्म के समय बच्चों की आंखों की रोशनी ठीक होती है। लेकिन जैसे ही उसकी उम्र पांच साल होती है, धीरे-धीरे रोशनी कम होने लगती है। देखते ही देखते बच्चा अंधा हो जाता है।

परिवार के बेटे ने अपनी फैमिली की स्टोरी शेयर की। उसने बताया कि उसके दादा अंधे थे। इसके अलावा दादी, मां-बाप, वो खुद और परिवार में जितने भी बच्चे पैदा होते हैं, सभी पांच साल का होते ही अंधे हो जाते हैं। किसी को आजतक नहीं पता चल पाया कि इसकी वजह क्या है। सभी एक साथ एक घर में रहते हैं। घर का काम घर की बहुएं करती हैं।

वीडियो देखने के बाद कई लोगों ने इसे जेनेटिक बीमारी से जोड़ा। एक ही परिवार की हर पीढ़ी अंधी हो रही है, इसका जींस से लेना-देना है। परिवार हर साल बड़ा होता जा रहा है। इसके सदस्यों को लगता है कि शायद एक बच्चा ऐसा पैदा हो जाए, जो अंधा ना हो। इस उम्मीद में परिवार की जनसंख्या लगातार बढ़ती जा रही है। लोग इस परिवार की स्टोरी देख हैरान हैं।

हमने हालात समझे और फिर उस पर जीत हासिल की : अडानी

पूरी तैयारी के साथ दिया जवाब

एक स्पेशल टीम सभी सवालों के जवाब देने के लिए तैयार की गई। अपने सभी पार्टनर के साथ सभी मुद्दों पर बातचीत करने का भी कार्यक्र म तय किया। हम यह समझ गए कि केवल अच्छा काम करना ही जरूरी नहीं है बल्कि अपनी कहानी लोगों को भी बतानी होगी। अडानी ग्रुप ने ग्रोथ को बरकरार रखते हुए खावदा, धारावी, कॉपर स्मेल्टर जैसे नई प्रोजेक्ट पर काम जारी रखा।

» खोला राज- हिंडनबर्ग के आरोपों से कैसे निकले बाहर

» नकदी का किया सही इस्तेमाल स्टेकहोल्डर्स को दी सारी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च की तरफ से लगाए गए आरोपों के बाद हमें इन चीजों से उबरने के बाद दो चीजें सीखने के लिए मिली। पहली यह कि ऐसे समय में कंपनी के पास नकदी होना जरूरी है। दूसरा यह कि सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत और उन्हें सही जानकारी देना जरूरी है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि किस तरह अडानी ग्रुप ने हिंडनबर्ग रिसर्च के झूठे आरोपों का सामना किया। उन्होंने कहा, हम उसके बाद मजबूत होकर उभरे और कुछ ही समय में हमने वापसी कर ली।

अडानी ने कहा, हिंडनबर्ग के आरोपों की खबर जब मैंने देखी तो मेरी पहली प्रतिक्रि या यही थी कि सभी आरोप पुराने थे, जिन्हें अलग तरह से पेश किया गया था। इस तरह के हमले ग्रुप पर नए नहीं थे, मुझे पूरी उम्मीद थी कि पहले किए गए हमलों की तरह यह भी जल्दी खत्म हो जाएगा। दरअसल, हिंडनबर्ग रिसर्च की तरफ से अडानी ग्रुप पर लगाए गए आरोपों को एक साल से भी ज्यादा का समय बीत गया है। 24 जनवरी 2023 को जब ग्रुप पर शेयरों की कीमत में हेराफेरी करने का आरोप लगाया गया तो ग्रुप की कंपनियों के शेयर में भारी गिरावट देखी गई थी। इसका असर अडानी की नेटवर्थ पर भी पड़ा था और वह दुनिया के अरबपतियों की लिस्ट में टॉप 20 से भी बाहर हो गए थे। हालांकि गौतम अडानी ने हिंडनबर्ग के आरोपों को निराधार बताया था। बाद में अडानी ग्रुप की कंपनियों को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से क्लीनचिट मिल चुकी है। वहीं इस ममले के शांत पड़ने के बाद कंपनी के शेयरों में भी तेजी देखने को मिली।

कॉर्पोरेट दुनिया का सबसे बड़ा हमला

उन्होंने अपनी बात रखते हुए यह माना कि यह ग्रुप के लिए मुश्किल समय था। अडानी ग्रुप पर हिंडनबर्ग का आरोप कॉर्पोरेट दुनिया का सबसे बड़ा हमला था। मुझे यह कहने में कतई संकोच नहीं है कि यह टू-डायमेंशनल अटैक था। यह हमला केवल फाइनेंशियल मार्केट ही नहीं बल्कि पॉलिटिकल प्लेटफॉर्म पर भी खेला गया। दोनों को एक-दूसरे का सपोर्ट था। इसे भारत और विदेश में मीडिया के एक वर्ग का सपोर्ट था।

जल्द ही समझ में आ गई साजिश

शुरुआत में हमने इसे हल्के में लिया था। लेकिन बाद में ग्रुप के खिलाफ की गई साजिश को समझने में हमें ज्यादा समय नहीं लगा। इस तरह के संकट और आरोपों से निपटने का ग्रुप के पास पुराना कोई अनुभव नहीं था। लेकिन हमने खुद को संभालने के लिए जवाबी रणनीति तैयार की। इसी रणनीतिके तहत ग्रुप ने सबसे पहले फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) से मिली 20,000 करोड़ रुपये को वापस किया। ग्रुप ने 70,000 करोड़ रुपये का फंड तैयार किया और 17,500 करोड़ रुपये के लोन को समय से पहले चुकता किया। इस दौरान अधिकारियों से गैर जरूरी खर्च को कम करने और बिजनेस पर फोकस करने के लिए कहा।

जम्मू-कश्मीर में जल्द कराए जाएंगे चुनाव : सीईसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने कहा कि आयोग जम्मू-कश्मीर में जल्द लोकसभा और विधानसभा चुनाव करवाने के पक्ष में है। दोनों चुनाव एक साथ करवाने के सवाल पर आयुक्त ने कहा कि राजनीतिक दलों, जिला उपायुक्तों, आईजी, डीआईजी, एसपी, अर्धसैनिक बलों के वरिष्ठ अधिकारियों से फीडबैक लेने के बाद ही संयुक्त फैसला लिया जाएगा। इसमें सुरक्षा परिस्थितियों को मुख्य रूप से ध्यान में रखा जाएगा।

आयोग देशभर की तरह जम्मू-कश्मीर में सभी चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शिता से करवाएगा। सीईसी ने जम्मू-

कश्मीर में विधानसभा चुनाव में देरी और इसके लिए न्यायालय में राजनीतिक दलों को क्यों जाना पड़ा के सवाल पर कहा कि प्रदेश के चुनाव में कोई देरी नहीं हुई है। अनुच्छेद 370 और 35 ए के निरस्त होने के बाद 2019 में जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 लाया गया।

भाजपा के जाल में न फंसे वोट से करें चोट : महबूबा

» कहा- विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए हो रही तिकड़मबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने देश के लोगों से अपील की कि वे नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) जैसे कानूनों का जवाब देने के लिए समझदारी से अपने वोटों का इस्तेमाल करें और गुस्से में आकर भाजपा के जाल में न फंसें। श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए मुफ्ती ने कहा कि भाजपा ने अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए अधिसूचित किया गया। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, किसानों की दुर्दशा, महंगाई जैसे आम जनमानस के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह का कानून लाया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के लोगों को बांटने का काम कर रही है।

उन्होंने भाजपा पर देश में सांप्रदायिकता बढ़ाने का आरोप लगाया। महबूबा ने कहा, कई मस्जिदों को ध्वस्त कर दिया, हर मस्जिद में मूर्तियों की तलाश की, मदरसों और रेट-माइनर जैसे लोगों के घरों को ध्वस्त कर दिया। नमाजियों का अपमान किया जा रहा है।

लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है भाजपा

उन्होंने कहा कि अब वोट के माध्यम से जवाब देने का समय आ गया है। मुस्लिम समुदाय के वरिष्ठ लोगों ने कानूनी सहारा लिया है और यह खुशी की बात है कि पिछले कुछ समय से अदालत के फैसले लोगों के पक्ष में रहे हैं। अब वोट के माध्यम से जवाब देने का समय है। लोगों को इसका उपयोग करना चाहिए वे सही तरीके से वोट करें ताकि अगर कल आपको किसी कानून के खिलाफ आवाज उठानी पड़े तो आप उठा सकें। उन्होंने कहा कि इस देश के बारे में सबसे खूबसूरत बात इसका लोकतंत्र है, जिसे भाजपा खत्म करने की कोशिश कर रही है, और इसका संविधान, जिसे वे नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। अन्यथा, आप धर्म के नाम पर कानून नहीं बना सकते। महबूबा ने कहा, जम्मू और कश्मीर, विशेष रूप से घाटी, बहुत नाजुक है। इसका पारिस्थितिकी तंत्र नाजुक है। हमारी अर्थव्यवस्था फल उद्योग पर निर्भर है। यदि आप इसके बारे में सोचे बिना हर गांव के माध्यम से एक रेलवे लाइन की योजना बनाते हैं, तो हजारों पेड़ों को नुकसान होगा। घाटी की अर्थव्यवस्था में कटौती होगी।

अश्विन ने बुमराह को दी चोट

» छीना नंबर-1 का ताज, रोहित की छलांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईसीसी ने ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी की है। वहीं इंडिया वर्सेस इंग्लैंड और न्यूजीलैंड वर्सेस ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद आईसीसी टेस्ट बल्लेबाज, गेंदबाज और ऑलराउंडर की रैंकिंग में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज का ताज छिन गया। लेकिन इंडियन फैंस के लिए खुशखबरी ये है कि ये तमगा आर अश्विन ने छीना है। धर्मशाला में इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच खेला गया था, जो अश्विन के करियर का 100वां टेस्ट मैच भी था।

अश्विन ने इस मैच को यादगार बनाते हुए नौ विकेट चटकाए और इसका फायदा उन्हें रैंकिंग में भी मिला। आईसीसी टेस्ट

रचिन रविंद्र बने न्यूजीलैंड के बेस्ट क्रिकेटर

रचिन रवींद्र न्यूजीलैंड क्रिकेट के वार्षिक पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुने जाने के बाद सर रिचर्ड हैडली पदक पाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। महिलाओं में एमेलिया केर ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के वार्षिक पुरस्कारों में प्रमुख पुरस्कार जीते। भारत में पिछले साल खेले गये विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले रचिन रवींद्र बुधवार को न्यूजीलैंड क्रिकेट के वार्षिक पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुने जाने के बाद सर रिचर्ड हैडली पदक पाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। महिलाओं में एमेलिया केर ने न्यूजीलैंड क्रिकेट के वार्षिक पुरस्कारों में प्रमुख पुरस्कार जीते।

गेंदबाजों रैंकिंग में अश्विन के अलावा कुलदीप यादव को भी जबर्दस्त फायदा मिला है। वहीं जसप्रीत बुमराह संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर हैं। अश्विन 870 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। वहीं 847-847 रेटिंग पॉइंट्स के साथ ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड और जसप्रीत बुमराह संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर हैं। रविंद्र जडेजा टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में सातवें पायदान पर बने हुए हैं। वहीं कुलदीप यादव को 15 पायदान का फायदा मिला है और वह 16वें पायदान पर पहुंच गए हैं। इस तरह से टॉप 20 टेस्ट गेंदबाज में भारत के चार गेंदबाज शामिल हैं। आईसीसी टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग की बात करें तो केन विलियमसन टॉप पर बने हुए हैं, वहीं जो रूट दूसरे पायदान का फायदा मिला है और वह तीसरे नंबर

पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति के 15 ठिकानों पर ईडी का छापा

» लखनऊ, अमेठी, दिल्ली और मुंबई में जारी है रेड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति के लखनऊ, अमेठी, दिल्ली और मुंबई के 15 ठिकानों पर बृहस्पतिवार सुबह ईडी की टीम ने छापा मारा। लखनऊ में पांच ठिकानों पर छानबीन चल रही है। सभी जगह टीम जांच पड़ताल में जुटी हुई है। किसी के भी अंदर जाने पर रोक लगा दी गई है। हालांकि इससे पहले ईडी ने कुछ दिन पहले मुंबई में पूर्व मंत्री के ठिकानों पर छापेमारी की थी।

लखनऊ में गोमतीनगर में ओमेक्स हाइट और अमेठी के आवास विकास कालोनी निवासी पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति व उनकी करीबी एक महिला के घर पर बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय की टीम पहुंची। दोनों के घरों पर ईडी की टीम सुबह से ही छापेमारी कर रही है। ईडी की छापेमारी को लेकर दोनों ही स्थानों पर स्थानीय पुलिस को तैनात किया गया है। यह छापेमारी अवैध खनन से जोड़कर देखी जा रही है। छापेमारी में आधा दर्जन से अधिक ईडी के अधिकारी मौजूद हैं। पूर्व मंत्री के घर पर उनकी पत्नी मौजूदा विधायक महाराजी प्रजापति और छोटा बेटा अनुराग के अलावा घर के सभी सदस्य मौजूद हैं। फिलहाल ईडी की टीम को पिछले करीब तीन घंटे से छापेमारी कर रही है। छापेमारी को लेकर ईडी के अधिकारियों की तरफ से कोई बयान नही दिया गया है।

झारखंड में कांग्रेस विधायक के ठिकानों पर दूसरे दिन भी ईडी की छापेमारी

कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के झारखंड के हजारीबाग स्थित आवास पर लगातार दूसरे दिन भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी जारी है। इससे पहले मंगलवार को भी ईडी ने करीब 18 घंटे तक उनके आवास पर छापेमारी की थी। ईडी ने मंगलवार की सुबह झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के अन्य जिलों में एक साथ छापेमारी की। बताया जा रहा है कि कथित भूमि और स्थानांतरण-पोस्टिंग घोटाले मामले में कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के ठिकानों की तलाशी ली गई। मंगलवार को छापेमारी के दौरान कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने आरोप लगाए कि उन्हें पूरे दिन परेशानी और यातनाएं झेलनी पड़ीं। उन्होंने बताया कि ईडी के अधिकारियों ने उन्हें घंटों तक एक ही जगह पर खड़ा रखा था।

कोविंद समिति ने राष्ट्रपति को सौंपी रिपोर्ट

» वन नेशन वन इलेक्शन पर दिया 18,626 पन्नों का ड्राफ्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के नेतृत्व वाले पैनल ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को वन नेशन वन इलेक्शन पर एक व्यापक रिपोर्ट सौंपी। उच्च स्तरीय समिति ने सिफारिश की कि केंद्र सरकार को एक साथ चुनाव के चक्र को बहाल करने के लिए कानूनी रूप से टिकाऊ तंत्र विकसित करना चाहिए। रिपोर्ट में 18,626 पृष्ठ हैं और यह 2 सितंबर, 2023 को अपनी स्थापना के बाद से हितधारकों, विशेषज्ञों के साथ व्यापक परामर्श और 191 दिनों के शोध कार्य का परिणाम है। पैनल द्वारा दिन में दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात के बाद उन्हें रिपोर्ट सौंपी गई। रिपोर्ट में कहा गया है, पार्टियों, विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के सुझावों के आधार पर, समिति का सर्वसम्मत विचार था कि एक साथ चुनाव चुनावी प्रक्रिया और समग्र शासन में मूलभूत परिवर्तन लाएंगे।

समिति ने लोस और राज्य विधान सभाओं के आम चुनावों के साथ-साथ पंचायतों और नगर पालिकाओं में चुनाव को सक्षम बनाने के लिए अनुच्छेद 324 ए की शुरूआत की सिफारिश की। इसमें सुझाव दिया गया कि लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ होने चाहिए और इसके पूरा होने के 100 दिनों के भीतर नगर पालिका और पंचायत चुनाव कराए जाने चाहिए। कोविन्द की अध्यक्षता वाले इस पैनल में अमित शाह, राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद, वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एनके सिंह, पूर्व लोकसभा महासचिव सुभाष कश्यप और वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे भी शामिल हैं।

फोटो : 4 पीएम

जागरूकता

केजीएमयू में वर्ल्ड किडनी डे पर लोगों को जागरूक करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चिकित्सकों ने किडनी की बीमारियों से बचने के लिए लोगों को कई जानकारी दी।

दिल्ली में आग ने लील ली चार की जान

» चार मंजिला इमारत में हादसा, दो बच्चों समेत चार लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शाहदरा के शास्त्री नगर इलाके में गुरुवार तड़के एक आवासीय इमारत में भीषण आग लगने के बाद दम घुटने से दो बच्चों और एक विवाहित जोड़े की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ितों की पहचान मनोज (30), उनकी पत्नी सुमन (28) और पांच और तीन साल की दो लड़कियों के रूप में की गई है। पुलिस ने कहा कि उन्हें सुबह करीब 5:20 बजे शाहदरा के शास्त्री नगर इलाके में भीषण आग लगने की सूचना मिली।

तुरंत दिल्ली अग्निशमन सेवा को सूचित किया गया। अधिकारी ने बताया कि एक स्थानीय पुलिस टीम, चार दमकल गाड़ियां, एम्बुलेंस और पीसीआर वैन को घटनास्थल पर भेजा गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, हमें अस्पताल से जानकारी मिली कि दम घुटने से चार लोगों- दो बच्चों और एक विवाहित जोड़े की मौत हो गई। आग की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि जिस इमारत में आग लगी, उसमें चार मंजिल हैं और भूतल पर कार पार्किंग की सुविधा है। आग पार्किंग स्थल से शुरू हुई और धुआं पूरी इमारत में फैल गया। अधिकारी ने कहा, सड़क संकरी होने के बावजूद, अग्निशमन अधिकारी मौके पर पहुंचने और आग पर काबू पाने में कामयाब रहे। प्रत्येक मंजिल पर तलाशी ली गई।

बिहार में अलग-अलग सड़क हादसों में नौ लोगों की मौत

बिहार के रोहतास और मुजफ्फरपुर जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में नौ लोगों की मौत हो गयी। नीतीश कुमार ने इन घटनाओं पर दुख प्रकट किया। रोहतास जिले के गुप्ताधाम में दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप वैन दुर्गावती जलाशय में गिर गई जिससे चार महिलाओं की मौत हो गई। एसडीपीओ दिलीप कुमार ने बताया कि पिकअप वैन के चालक समेत 26 लोगों को खाई से सुरक्षित निकाल लिया गया और उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चेनारी में भर्ती कराया गया जहां से चिकित्सकों ने उन्हें रोहतास जिला मुख्यालय सासाराम स्थित अस्पताल रेफर कर दिया। अन्य घटना में, मुजफ्फरपुर के रामपुर हरि थाना क्षेत्र में बुधवार को देर रात बारात से लौट रही एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल्स (एसयूवी) और ट्रक की आमने-सामने से भिड़ंत हो गई, जिससे पांच बारातियों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

लाइनें बिछीं नहीं पर पहुंच रहा है पानी का बिल!

» जलकल विभाग ने लाखों के बिल को मैनेज कर किया हजारों में

» जोन-7 के इलाके में हो रही धांधली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वाह रे जलकल विभाग के कारानामें! जहां लाइनें ही नहीं बिछी वहां पर भेजे जा रहे पानी के बिल। लखनऊ जलकल विभाग में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है उपभोक्ताओं को चूना लगाने का बड़े पैमाने पर काम चल रहा है। दरअसल, ज़ोन-7 के इलाके में बड़े पैमाने पर उपभोक्ताओं को परेशान करने का काम चल रहा है जिस इलाके में पानी की लाइन ही नहीं है उसे इलाके में उपभोक्ताओं को लाखों लाखों रुपए का बिल भेजा जा रहा है।

जब उपभोक्ता जलकल विभाग पहुंचता है तो उसको मैनेज करने वाले कर्मचारी पकड़ लेते हैं मैनेज करके लाखों का बिल को कम किया जाता है उसके बाद बिल जमा कर लिया जाता है।

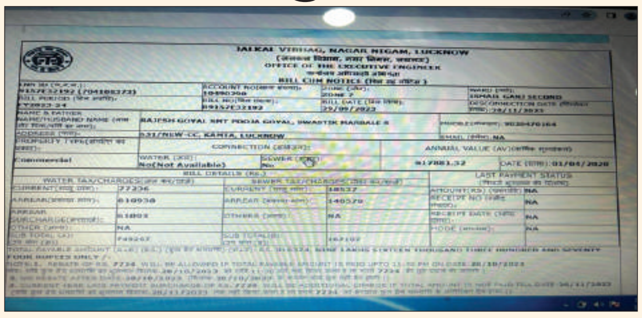

अपनी जेबें भर रहे अधिकारी, विभाग को लगा रहे चूना

जलकल विभाग को तो कोई फायदा नहीं हो रहा है लेकिन कर्मचारी अपनी जेब भर रहे हैं सूत्रों के मुताबिक मिली जानकारी के अनुसार अधिशासी अभियंता ने दबाव बनाकर कर्मचारी से स्पष्टीकरण मांगा जिस जगह का स्पष्टीकरण मांगा गया उसे जगह के अन्य प्रतिष्ठानों का सिर्फ सीवर का बिल जमा हुआ है इतना ही नहीं उसी जगह पर बाबू के लेखनी के अनुसार सिर्फ सीवर का बिल जमा करके मामला रफा दफा कर दिया गया।

पिछले 10 वर्षों से डटे लिपिक पर गंभीर आरोप

जिस लिपिक की हम बात कर रहे हैं उसका नाम राजकुमार बताया जा रहा है राजकुमार के ऊपर इससे भी पहले कई गंभीर आरोप लगे हैं वर्ष 2022-23 में अयोध्या हाईवे पर बने एक होटल का बिल 30 लाख रुपए भेजा गया था इसके बाद उपभोक्ता से मैनेजमेंट करके ?400000 में सेटलमेंट कर लिया गया हैरानी वाली बात है कि वही मामला कमता इलाके के आसपास अपनाया जा रहा है लिपिक राजकुमार की अगर बात करें तो लखनऊ में 10 सालों से ज्यादा का समय यह गुजार चुके हैं और उनके रसूख के आगे इनका स्थानांतरण होता ही नहीं है। दर्जनों जलकल के उपभोक्ताओं के साथ बड़ा खेल लिपिक के द्वारा किया जा रहा है।कमता इलाके के दर्जनों ऐसे प्रतिष्ठान है जहां लिपिक ने मन मुताबिक बिल भेज दिया है उस बिल की अगर धनराशि की बात की जाए तो किसी की 14 लाख तो किसी की 16 लाख रु है ऐसे में उसी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों से महज 3 लाख से 4 लाख रु बिल के रूप में जमा हुए है ऐसे में उपभोक्ताओं के साथ दोहरा रवैया इसलिए अपनाया जा रहा है जिसने साठगांठ कर ली उसको राहत मिल गई जिसने फर्जी बिल को जमा करना जरूरी नही समझा उसके साथ खेल किया जा रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।